छात्रों की समस्या दूर करने के लिए यूजीसी ने जारी किए थे निर्देश

# विश्वविद्यालयों ने नहीं बनाया स्टूडेंट पोर्टल

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग भले ही छात्रों की समस्याओं के लिए गंभीर हो लेकिन प्रदेश के छात्रों की समस्याओं को लेकर गंभीर नहीं है। यूजीसी ने सभी देश व प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों को पत्र लिख कर छात्रों के लिए वेब पोर्टल बनाने के निर्देश दिए थे लेकिन अभी तक प्रदेश अधिकतर विश्वविद्यालयों ने पोर्टल नहीं बनाया है।

इसको लेकर यूजीसी ने प्रदेश के 40 और लखनऊ के 8 विश्वविद्यालयों को नोटिस जारी कर ऑनलाइन स्टूडेंट ग्रीवेंस पोर्टल का निर्माण करने के निर्देश जारी किए है। बीबीयू के प्रवक्ता डॉ गोविंद पांडेय का कहना है कि स्टूडेंट पोर्टल जल्द बनवाया जाएगा।

### छात्र ऑनलाइन करते शिकायत

यूजीसी का ऑनलाइन पोर्टल की शुरुआत करने का मकसद था कि विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले सभी छात्र अपनी दिक्कतों को प्रशासन को ऑनलाइन बता सके। इसके अलावा बाहर जिलों में रहने वाले छात्र डिग्री, माइग्रेशन, वैरीफिकेशन जैसी तमाम दिक्कतों को दूर करने के लिए उनको विवि में भटकना न पड़े। वह वेबपोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करें और उनकी दिक्कत को विवि दूर करें। जिले के विवि इसको लेकर गंभीर नहीं है। अभी तक छात्रों की समस्याओं का निदान करने वाला यह पोर्टल बन कर तैयार नहीं हुआ है। लुआक्टा के पूर्व अध्यक्ष डॉ मौलीन्दु मिश्र बताते है कि वेब पोर्टल बनने के बाद छात्रों की काफी दिक्कत दूर हो जाती है।

### रैगिंग की ऑनलाइन करते शिकायत

डॉ मौलीन्दु मिश्र बताते है कि सत्र शुरू होने के बाद सबसे ज्यादा शिकायतें कॉलेजों से रैगिंग को लेकर आती है। अगर रात बेरात किसी छात्र के साथ रैगिंग जैसी घटना होती है तो वह कहां जाकर शिकायत करेंगा। इन दिक्कतों में यह वेब पोर्टल छात्रों के लिए वरदान साबित होता। कम से कम वह अपनी शिकायत ऑनलाइन तो दर्ज करा सकते थे। डॉ मौलिन्दु का कहना है कि जब बात छात्रहित की होती है तो सभी विश्वविद्यालय पीछे हट जाते है।

### विश्वविद्यालयों को नहीं है जानकारी

यूजीसी ने जिले के शकुंतला मिश्र पुर्नवास विश्वविद्यालय, भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, अरबी फारसी विश्वविद्यालय, यूपीटीयू, बीबीडीयू समेत अन्य विश्वविद्यालयों से स्टूडेंट पोर्टल बनाने का नोटिस जारी किया है। हालांकि यूपीटीयू ने अपने यहां पर स्टूडेंट ग्रीवेंस पोर्टल की शुरुआत कर दी है जबकि शकुंतला मिश्र विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार अखिलेन्द्र सिंह का कहना है कि उनको यूजीसी के इस निर्देश की जानकारी नहीं है। वहीं लखनऊ विश्वविद्यालय ने भी अभी तक अपने यहां पर स्टूडेंट ग्रीवेंस पोर्टल का निर्माण नहीं कराया है।

## यूपी पीजी आयुर्वेद प्रवेश परीक्षा की तिथियां घोषित

**लखनऊ।** राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय की सोमवार को यूपीपीजी प्रवेश परीक्षा 2014-2015 की महत्वपूर्ण तिथियां वेबसाइट पर घोषित की जा चुकी हैं। प्रवेश परीक्षा के फार्म को डाउनलोड करने की प्रारम्भिक तिथि सोमवार से ही लागू करदी गई। इस फॉर्म को जमा करने की अंतिम तिथि 9 अक्टूबर है। सभी विद्यार्थी 10 अक्टूबर को वेबसाइट पर अपना रोल नम्बर व नाम देख सकते हैं। सभी विद्यार्थी राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज से अपना प्रवेश पत्र ले सकते हैं। यह प्रवेश पत्र 13 व 14 अक्टूबर को सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक मिलेगा। प्रवेश परीक्षा 15 अक्टूबर को दोपहर दो बजे से चार बजे तक होगी। सभी विद्यार्थियों को एक घंटे पहले ही परीक्षा केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य है प्रवेश परीक्षा का स्थान राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज ही रखा गया। प्रवेश परीक्षा प्रश्न पत्र के उत्तरों का वेबसाइट पर प्रसारण 16 अक्टूबर करे किया जाएगा।

किसी भी विद्यार्थी को प्रश्न पत्र के उत्तरों के सम्बन्ध में अगर कोई शिकायत हो तो वह अपनी शिकायत 17 अक्टूबर को शाम चार बजे तक दर्ज करा सकता है। इस प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट नोटिस बोर्ड व वेबसाइट पर 20 अक्टूबर को प्रसारित किया जाएगा। इसकी काउंसिलिंग की तिथि 27 अक्टूबर है जो कि कॉलेज परिसर में होगी। **कासं**

# कोर्स बंद होने पर आवेदन शुल्क होगा वापस

अम्बेडकर विवि

लखनऊ | निज संवाददाता

अम्बेडकर विवि एकेडमिक काउंसिल की आपात बैठक में सोमवार को कई एक महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। काउंसिल ने वर्तमान शैक्षिक सत्र में बीए-एमएड सहित अन्य बंद होने वाले कोर्सो के आवेदन शुल्क वापस करने पर अपनी सहमति दे दी। साथ ही पीएचडी में सिंगल गर्ल्स चाइल्ड सीट के प्राविधान वाले प्रस्ताव पर अपनी मुहर लगा दी।

विश्वविद्यालय की एकेडमिक काउंसिल की सोमवार को आपात बैठक बुलाई गई। इसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. आर.बी. सोबती ने की। इसमें विश्वविद्यालय के उस प्रस्ताव को सदस्यों ने मंजूर कर लिया। जिसमें कहा गया है कि बीएड-एमएड सहित जो कोर्स किन्ही कारणों से नहीं चल पा रहे हैं, उनके आवेदन शुल्क वापस कर दिए जाएं। सदस्यों ने कहा कि इस बारे में प्रवेश समन्वयक को जरुरी दिशा निर्देश जारी किए जाएं। शुल्क वापसी की शीघ्र कार्रवाई की जाए। इसके अलावा तय हुआ कि बीएड और एमएड कोर्स तभी चलाया जाए, जब एनसीटीई कोर्स की मान्यता समय से दे दें। हालांकि विश्वविद्यालय प्रशासन ने काउंसिल को सूचित किया कि वह इस बारे में एनसीटीई से सम्पर्क बनाए हुए है। बीएड और एमएड कोर्स को एनसीटीई से मान्यता मिली नहीं थी। केवल मान्यता की प्रक्रिया शुरु करने के साथ ही विश्वविद्यालय ने दाखिले का काम शुरु कर दिया था। इस बारे में 'हिन्दुस्तान' ने सोमवार 8 सितम्बर को खबर प्रकाशित की थी। इसके बाद काउंसिल की बैठक में शुल्क वापसी का फैसला लिया गया।

इसके अलावा काउंसिल की बैठक दूसरा महत्वपूर्ण फैसले लिया गया। इसके तहत काउंसिल के सामने विवि प्रशासन ने 'सिंगल गर्ल्स चाइल्ड' के लिए और उन संस्थानों के छात्रों को पीएचडी में दाखिला देने के लिए 'सुपर नुमेरिक सीट' का प्राविधान करने का प्रस्ताव रखा।

### सूफिया का बदलेगा सुपरवाइजर

काउंसिल ने पीएचडी स्कॉलर सूफिया का सुपरवाइजर बदलने के प्रस्ताव को मंजूर कर लिया है। डीआरसी को नए सुपरवाइजर के नाम की संस्तुति करने का निर्देश दिया गया है। सभी विभागों में एक समान क्रेडिट करने के प्रस्ताव पर सहमति दी गई है। अब सभी विभागों में छात्र को 96 क्रेडिट पाने होंगे। सभी विभागों में सिलेबस को एक समान करने की कवायद के प्रस्ताव पर भी काउंसिल ने पास कर दिया गया है।

## कैम्पस लाइव

**LIVE** को बताइए

आपके स्कूल, कॉलेज या कैम्पस में कोई गतिविधि हो, आप कोई फोटो भेजना चाहते हों, या कोई जानकारी देना चाहते हो तो हमें ईमेल करें, या दिए गए नम्बरों पर कॉल करें।

lucknow@livehindustan.com
Ph.: 05222306212, 05222721120 (फैक्स)

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंस आईटी के डायरेक्टर प्रो. भरतराज सिंह को सोमवार को टीचर एक्सिलेंसी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। ● हिन्दुस्तान

### एसएमएस को पुरस्कार

**लखनऊ।** कन्फेडरेशन ऑफ एजुकेशन एक्सीलेन्स द्वारा नई दिल्ली में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में एसएमएस ( स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंस ) के निदेशक प्रो. भरतराज सिंह को शिक्षक उत्कृस्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस दौरान एसएमएस को सर्वश्रेष्ठ तकनीकी संस्थान घोषित किया गया। यह जानकारी संस्थान के कुलसचिव टीपी सिंह ने दी। इस दौरान पद्म विभूषण प्राप्त प्रो. यशपाल ने कहा कि मानवता और नैतिक मूल्यों को बनाए रखने के साथ-साथ हमे सीखने और सीखाने के लिए तकनीकी शिक्षा पद्धति पर जोर देना चाहिए।

### केवी में राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन

**लखनऊ।** केन्द्रीय विद्यालय अलीगंज में सोमवार को आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। साथ ही वाद-विवाद प्रतियोगिता, समूह गायन, समूह नृत्य आदि का भी आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न कॉलेजों के करीब 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

### एमफिल इंगलिश के इंटरव्यू आज से

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय में एमफिल में दाखिले के लिए इंटरव्यू शुरू हो गए है। प्रवक्ता प्रो एनके पांडे ने बताया कि एमफिल इंगलिश के इंटरव्यू मंगलवार को इंगलिश विभाग में 12.30 से शुरू होंगे जबकि एमफिल सोशल साइंस में इंटरव्यू 10 सितंबर को 11 बजे से शुरू होंगे। प्रो पांडे ने बताया कि छात्रों का इंटरव्यू लिस्ट के अनुसार ही लिया जाएगा।

### दूरस्थ बीटीसी शिक्षक संघ का प्रदर्शन स्थगित

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश दूरस्थ बीटीसी शिक्षक संघ के बैनर तले 10 सितम्बर ( बुधवार ) को होने वाला प्रदर्शन स्थगित कर दिया गया है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने बताया कि परीक्षा परिणाम को लेकर सचिव परीक्षा नियामक इलाहाबाद नीना श्रीवास्तव से सकारात्मक बातचीत के बाद यह निर्णय किया गया। इस दौरान धर्मेन्द्र यादव प्रदेश उपाध्यक्ष, रजदीप दस कोषाध्यक्ष , आलोक कुमार महामंत्री और विनोद कुमार सचिव मौजूद रहे।

श्रीराम स्वरूप मेमोरियल कॉलेज में फ्रेशर पार्टी का आयोजन।

# साक्षरता मुहिम में छात्रों का साथ जरूरी: किरण बेदी

लीडरशिप कांग्रेस

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

100 फीसदी साक्षरता के अभियान में छात्रों को जोड़ना जरूरी है। यदि हर छात्र अपने आसपास के इलाके में 10 बिना पढ़े-लिखे लोगों को पढ़ाने का बीड़ा उठा ले तो अगले एक से दो साल में ही ये प्रदेश साक्षरता के मामले में केरल से भी कहीं आगे निकल जाएगा।

यह कहना है देश की पहली महिला आईपीएस डॉ. किरण बेदी का। वह सोमवार को 7वीं एजुकेशन लीडरशिप इंटरनेशनल कांग्रेस के समापन पर बोल रही थी। डॉ. बेदी ने प्रदेश के सभी स्कूलों से अपील कि वे भी लखनऊ की तर्ज पर अपने यहां 'ईच वन, रीच वन, टीच एट लीस्ट वन' का नियम लागू करें। यानी हर विद्यार्थी कम से कम एक निरक्षर व्यक्ति को पढ़ना-लिखना सिखाए। उत्तर प्रदेश सरकार से कहा कि वह चालू वर्ष को 'लिटरेसी सेलिब्रेशन ईयर' घोषित करे, ताकि सभी स्कूल, कॉलेज, गैर-सरकारी संगठन, निजी संस्थान और कॉर्पोरेट कंपनियां सामाजिक सरोकार के तहत इस सामाजिक कार्य से जुड़ें।

सीएमएस वर्ल्ड यूनिटी कन्वेंशन सेंटर, लखनऊ में चल रहे इस तीन-दिवसीय '7वीं एजूकेशन लीडरशिप इंटरनेशनल कांग्रेस' का सोमवार को समापन हुआ। डॉ. किरण बेदी इस पैनल के प्रमुख वक्ता थीं। इस कांग्रेस में देश-विदेश के अनेक प्रख्यात विशेषज्ञों ने शिक्षा में नवोन्मेष, पाठ्यक्रम तैयार करने की विधियों, अभिभावकों-शिक्षकों व विद्यार्थियों के मनोविज्ञान, जन शिक्षण तथा अन्य कई ऐसे मुद्दों पर चर्चा। यह कार्यक्रम पुरस्कार वितरण के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर डायट लखनऊ प्रिंसिपल ललीता प्रदीप, विश्वरूप रॉय समेत दस लोगों को इनोवेशन अवार्ड किया गया।

पहली महिला आईपीएस किरण बेदी को सम्मानित करतीं डॉ. भारती गांधी व अन्य।

### छात्र एजुकेशन को बनाएं करियर

डॉ सुनीता गांधी ने कहा, 'जब शिक्षा की बात आती है तो इसे छात्र करियर के रूप में दूसरी या तीसरी प्राथमिकता मान लेते हैं। जबकि शिक्षा की कमी ही किसी व्यक्ति को आगे बढ़ने से रोकती है और फिर देश भी पीछे हो जाता है। शिक्षा के क्षेत्र अग्रणी देशों में एजुकेशन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। इन देशों में किसी उच्च शिक्षित डॉक्टर इंजीनियर के मुकाबले एक शिक्षाविद को अधिक मान सम्मान मिलता है, क्योंकि समाज की इन पर निर्भर होती है। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि विद्यार्थी एजुकेशन को एक कैरियर के तौर पर चुनें, न कि सिर्फ एक नौकरी के तौर पर।' डॉ. जी बी पटनायक ने कहा कि जब तक सरकार, जनता और कॉर्पोरेट जगत एक साथ इस ओर कोई बड़ा कदम नहीं उठाते, यह विकास के रास्ते में बाधा बनी रहेगी।

# बीएड व डीएड विशेष शिक्षा में 11 तक होंगे दाखिले

शकुन्तला मिश्रा विवि

लखनऊ | निज संवाददाता

शकुन्तला मिश्रा विवि में बीएड व डीएड विशेष शिक्षा में दाखिले की प्रक्रिया 11 सितम्बर तक पूरी हो जाएगी। कुल सचिव अखिलेन्द्र सिंह ने उक्त निर्देश सोमवार को जारी किए। चयनित अभ्यर्थियों से कहा गया है कि वह हर हाल में निर्धारित तिथि तक अपनी फीस जमा कर दें।

विश्वविद्यालय में बीएड और डीएड का पाठ्यक्रम विशेष शिक्षा में शुरु किया गया है। इसमें विकलांगता के तीनों क्षेत्र दृष्टिबाधित, मूकबाधिर और मानसिक मंदित की पढ़ाई कराई जाती है। सभी में 30-30 सीटें हैं। इस पर दाखिले के लिए प्रवेश प्रकिया पिछले दो माह से चल रही है। कुल सचिव अखिलेन्द्र सिंह ने सोमवार को आदेश जारी कर 11 सितम्बर तक दाखिला पूरे करने की निर्देश दिया है। काउंसिलिंग की प्रक्रिया चार सितम्बर से शुरु हुई है। चयनित अभ्यर्थियों से कहा गया है कि वह 11 से तीन बजे के बीच काउंसिलिंग में उपस्थित होकर अपना दाखिला सुनिश्चित कर लें। साथ ही अपना शुल्क जमा करें।

इसके अलावा चयनित अभ्यर्थियों से कहा गया है कि अगर वे 11 सितम्बर तक दाखिला नहीं लेते हैं। साथ ही दाखिला लेने वाले अभ्यर्थी ने कोई तथ्य छिपाया है या भारतीय पुनर्वास परिषद और शकुन्तला मिश्रा पुनर्वास परिषद विवि की निर्धारित अर्हता को पूरा नहीं करते हैं तो उनका चयन खुद निरस्त हो जाएगा। उनकी जगह पर प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थी का दाखिला कर लिया जाएगा।

# अब तक खुलेआम घूम रहे हैं रैगिंग के आरोपी

पॉलीटेक्निक

लखनऊ | निज संवाददाता

राजधानी के पॉलीटेक्निक संस्थानों में रैगिंग की घटनाओं के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। अभी तक रैगिंग करने वालों पर कार्रवाई नहीं हो सकी है। लखनऊ पॉलीटेक्निक, हीवेट व जीबी पंत पॉलीटेक्निक में रैगिंग की घटनाओं में कई सीनियर छात्रों के नाम सामने आ रहे हैं। लेकिन प्राविधिक शिक्षा परिषद और पॉलीटेक्निक प्रशासन पूरे मामले को दबाने की कोशिश में लग गए हैं।

जीबी पंत पॉलीटेक्निक में रैगिंग के आरोपी छात्रों के अभिभावकों को 16 सितंबर को बुलाया गया है। जबकि खुद जेडी लखनऊ मनोज कुमार नामजद शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की बात कह चुके हैं। वहीं लखनऊ पॉलीटेक्निक में आरोपी छात्रों की फोटो पहचाने जाने के बावजूद कोई कार्राई नहीं हुई है। छह नामजद आरोपियों में से चार आरोपी छात्र अभिभावकों के साथ पॉलीटेक्निक पहुंचे जिन्हें कक्षाओं में ले जाकर जूनियर छात्रों से पहचान भी कराई गई लेकिन जेडी का कहना है कि किसी भी छात्र ने रैगिंग के आरोपी छात्रों को पहचानने से इंकार कर दिया है। वहीं प्रिंसिपल राजेन्द्र सिंह मामले में छात्रों को क्लीनचिट देने से इंकार कर रहे हैं। साथ ही हीवेट पॉलीटेक्निक में 23 और 24 अगस्त को हुई रैगिंग की घटना में प्रिंसिपल विनोद कुमार छात्रों के पहचाने जाने और उन्हें निष्काषित कर देने की बात कह रहे हैं। लेकिन उनके स्तर से अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। बल्कि प्रिंसिपल अपने पॉलीटेक्निक को रैगिंग फ्री बताने में जुटे हुए हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह कि हर साल पॉलीटेक्निक में होने वाली रैगिंग में क्या इस बार कोई कार्रवाई हो सकेगी या हर बार की तरह इस बार भी कार्रवाई के दावे सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहेंगे।

## महिला सुरक्षा और शिक्षा पर सेमिनार

**लखनऊ।** महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और अधिकारों को लेकर दुर्गा शिक्षा निकेतन महाविद्यालय में एक सेमिनार का आयोजन किया गया। यह सेमिनार संस्था हर्ष की बी अवेयर कार्यक्रम की ओर से आयोजित किया गया था।

इस अवसर पर हर्ष की ब्रांड अम्बेस्डर अपर्णा यादव ने कहा कि हर्ष की पहल बी अवेयर का उद्देश्य लोगों को महिलाओं के प्रति बढ़ रहे अपराध और उनसे जुड़े कानूनों के प्रति लोगों को जागरुक करना है। उन्होंने कहा कि अपराधों का एक कारण लोगों की विकृत मानसिकता है जिसे बदलकर हम महिलाओं को बेहतर जिंदगी दे सकते हैं। उनका कहना था कि पुलिस और जनता के प्रति लोगों में विश्वास पैदा करना होगा। अपराध कम करने के लिए, जिम्मेदार नागरिकों को कदम बढ़ाना होगा। लोगों को उनके अधिकारों के बारे में बताना होगा। इससे पहले दुर्गा शिक्षा निकेतन के संस्थापक जगजीवन प्रसाद, उप प्रबंधक कृष्ण मुरारी ने बुके भेंट कर अपर्णा यादव का स्वागत किया। **कासं**

# वनस्पतियों से बनाया हेल्थ सप्लीमेंट

एनबीआरआई

लखनऊ | निज संवाददाता

राजधानी के राष्ट्रीय वनस्पिति अनुसंधान संस्थान( एनबीआरआई ) के वैज्ञानिक अभिषक गुप्ता वनस्पितियों के पाउडर से हेल्थ सप्लीमेंट कर रहे हैं। जो बच्चों में होने वाले कुपोषण के लिए कारगर होगा। कचनार, तिपतिया, कद्दू के फूल और तुरई के फूल से तैयार हो रहे इस हेल्थ सप्लीमेंट को एनबीआरआई के रिसर्च स्कॉलर अभिषेक गुप्ता विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा मिले प्रोजेक्ट के तहत तैयार कर रहे हैं।

एनबीआरआई के रिसर्च स्कॉलर अभिषेक गुप्ता को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा यंग साइंटिस्ट फेलोशिप के तहत करीब 12 लाख रूपए की मदद दी गई है। तीन साल के इस प्रोजेक्ट में प्रथम वर्ष में करीब 40 पौधों पर रिसर्च की गई। जिसमें से कचनार ,तिपतिया, कद्दू के फूल और तुरई के फूल में पाए जाने वाले आयरन, जिंक, कॉपर और क्रोमिअम को हेल्थ सप्लीमेंट के लिए सबसे अच्छा पाया गया। अब इन्हीं पौधों की मदद से हेल्थ सप्लीमेंट बनाने की कवायद की जा रह है।

एनबीआरआई के रिसर्च स्कॉलर अभिषेक गुप्ता ने बताया कि देश में छह साल से कम उम्र के करीब 47 फीसदी बच्चे कुपोषण का शिकार हैं। वर्ल्ड हेल्थ आर्गनाइजेशन( डब्लूएचओ ) द्वारा जारी सूची के हिसाब से कुपोषण प्रभावित देशों में बांग्लादेश के बाद भारत का दूसरा स्थान है। ऐसे में अगर वह हेलथ सप्लीमेंट बनाने में कामयाब होते हैं तो देश में इसका इस्तेमाल व्यापक स्तर पर किया जा सकता है।

### एनबीआरआई का न्यूट्री जैम भी तैयार

एनबीआरआई द्वारा बनाया गया न्यूट्री-जैम भी कुपोषण के शिकार बच्चों केलिए बहुत कारगर है। एनबीआरआई के वैज्ञानिक एकेएस रावत ने बताया कि उनके द्वारा तैयार किया गया न्यूट्री-जैम जल्द ही यूपी के कई गांवों में बांटा जाएगा। सीएसआईआर द्वारा कुपोषण का शिकार बच्चों को यह जैम दिया जाएगा। साथ ही कई कंपनियां भी हमारे संपर्क में है जो हमसे टेक्नोलॉजी लेकर इस प्रोडक्ट को बाजार में उतारना चाहती है। जल्द ही इसपर फैसला लिया जाएगा। न्यूट्री जैम प्रोटीन, कैल्शियम, अमीनो एसिड, एलानिन, वेलिन, ल्यूसिन, एसकार्बिक ऐसिड आदि पोषक तत्व मौजूद हैं।

कुपोषण को रोकने के लिए परिषद द्वारा वैज्ञानिको के साथ मिलकर चलाए जा रहे प्रोजेक्ट का एक हिस्सा है। हमारी कोशिश है कि यंग साइंटिस्टों को रिसर्च में आगे बढ़ाएं और उन्हें फंड के जरिए योगदान दें।

डॉ .एसएम प्रसाद, वैज्ञानिक यूपीसीएसटी

# जल्द खुलेगा यूनानी व कृषि संकाय

लखनऊ विवि

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में यूनानी और कृषि संकाय खुलने का रास्ता साफ होना शुरू हो गया है। खासकर कृषि संकाय खोले जाने की मांग काफी समय से चंद्र भानु गुप्त कृषि विश्वविद्यालय करता आ रहा है। तीन दिन पहले इस प्रस्ताव को कार्यपरिषद में रखा गया था लेकिन इस पर चर्चा नहीं हो सकी। कार्यपरिषद ने इस प्रस्ताव को अगली बैठक में रखें जाने का निर्देश दिए है। इन दोनों संकायों के गठन को लेकर कार्यपरिषद ने भी अपना सकारात्मक रवैया दिखाया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में कृषि संकाय के गठन को लेकर बख्शी का तालाब स्थित चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय प्रशासन करीब पांच साल से कृषि संकाय के गठन की मांग विश्वविद्यालय से करता रहा है। इसको लेकर कई बार राजभवन ने भी विश्वविद्यालय से जवाब मांगा है लेकिन उसके बाद भी कृषि संकाय का निर्माण नहीं हो पाया है। इसको लेकर महाविद्यालय के प्राचार्य ने भी सख्त रवैया अपनाते हुए कॉलेज की मान्यता समाप्त करने की बात कही थी। चंद्रभानु गुप्त कॉलेज पहले कानपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध था। लखनऊ विश्वविद्यालय का दायरा बढ़ने के बाद यह कॉलेज विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हो गया। मगर विश्वविद्यालय में कृषि संकाय न होने की वजह से इसे पहले बॉटनी के अधीन चलाया जा रहा था लेकिन कृषि महाविद्यालय इसका अलग संकाय बनाने की मांग कर रहा था। प्रपोजल तैयार होने के बाद भी कृषि संकाय का निर्माण अभी तक नहीं हो सका। वहीं कार्यपरिषद में पहले यूनानी संकाय का प्रस्ताव रखा जा रहा था लेकिन इसके साथ कृषि संकाय बनाए जाने का प्रस्ताव भी रख दिया गया। इन दोनों प्रस्ताव पर अब अगली कार्यपरिषद में चर्चा की जाएगी। कार्यपरिषद से अनुमोदन मिलने के बाद इन संकायों का निर्माण कर दिया जाएगा।

### एलयू रजिस्ट्रार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ लूटा की आमसभा में सोमवार को रजिस्ट्रार कैप्टन अमिताभ प्रकाश के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया है। लूटा के अध्यक्ष डॉ दिनेश कुमार व महामंत्री दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि रजिस्ट्रार काफी समय से शिक्षकों से अभद्रता कर रहे है। यही नहीं वह कई बार कार्यपरिषद की कार्यवृति के साथ छेड़छाड़ भी कर चुके है। लूटा ने कुलपति से मांग की है कि वह तत्काल प्रभाव से रजिस्ट्रार को कार्यमुक्त करें ताकि शिक्षकों के साथ आए दिन होने वाली अभद्रता को रोका जा सके। इससे पहले भी कई बार शिक्षक रजिस्ट्रार को हटाने की मांग कर चुके है।

## जयपुरिया के प्रिंसिपल पर लगा जुर्माना

**लखनऊ।** राज्य सूचना आयुक्त हाफिज उस्मान ने सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल की प्रिंसिपल पर आयोग के आदेश की अवहेलना पर जुर्माना लगाया है। यह धनराशि जिला विद्यालय निरीक्षक के माध्यम से वसूली की जाएगी।

राज्य सूचना आयुक्त की ओर से जारी बयान के अनुसार सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल से आरटीआई के जरिए कुछ सूचनाएं मांगी गई थीं। **प्रसं**

## एलएलएम और एलएलबी की सेकंड मेरिट जारी

**लखनऊ।** लखनऊ विवि ने सोमवार को एलएलबी व एलएलएम में दाखिले के लिए दूसरी मेरिट लिस्ट जारी कर दी है। छात्र इसको विवि की वेबसाइट पर देख सकते है। एलएलबी की सामान्य वर्ग की कटऑफ 63.7, ओबीसी की 56.4 व एससी की 52.5 प्रतिशत तक गई है जबकि एलएलएम की कटऑफ सामान्य वर्ग के लिए 69.7 व ओबीसी की 64.1 प्रतिशत तक गई है। **कासं**

# यूजीसी के नेट पैटर्न में होगा भारी फेरबदल

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

यूजीसी नेट के पैटर्न में व्यापक बदलाव की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस एक बार फिर ऑब्जैक्टिव से सब्जैक्टिव किए जाने का मन बनाया जा रहा है। इसको लेकर यूजीसी के स्तर पर मंथन शुरू हो गया है। इसके लिए बकायदा एक नेट रिफार्म कमेटी भी काम कर रही है।

यूजीसी ने 2011 के आसपास नेट के पैटर्न में बदलाव किया था। तब तक यह परीक्षा सब्जैक्टिव हुआ करती थी। लेकिन आईआईटी, सीपीएमटी की तर्ज पर इसे ऑब्जैक्टिव कर दिया गया। इस बदलाव के साथ ही इस पर सवाल उठने लगे। ऑब्जैक्टिव होने के कारण परीक्षकों को आसानी थी लेकिन इससे निकलने वाले परीक्षार्थियों की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठाए गए। इसके मद्देनजर एक बार फिर इसे सब्जैक्टिव बनाने पर विचार किया जा रहा है। नेशनल पीजी कॉलेज के प्रिंसिपल और नेट रिफार्म कमेटी के सदस्य आयोग के स्तर पर इन मुद्दों पर लगातार मंथन जारी है। इस पर राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों से भी विचार लिए जा रहे हैं। इस सम्बन्ध में आयोग की ओर से सरकार को प्रस्ताव भेजा जाएगा।

### खुले मंच पर मांगे सुझाव

परीक्षा के पैटर्न के साथ निगेटिव मार्किंग साल में इसे इतनी बार आयोजित होने जैसे सवाल भी उठाए गए। इसको लेकर आयोग ने सभी से सुझाव मांगे है। डॉ. सिंह ने बताया कि यूजीसी की वेबसाइट पर आयोग ने दस सवाल अपलोड किए है। इन पर सभी से आम राय मांगी है। इसमें, नेट में निगेटिव मार्किंग रखी जाए या नहीं? साल में इस परीक्षा को कितनी बार आयोजित किया जाना चाहिए?

क्लासीफाइड मेडिकल डायरेक्टरी

चश्मे से छुटकारा !
Good Bye
C-LASIK & Blade Less LASEK
अब मात्र रु. 25,000/- में (कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं) केवल कुछ समय के लिए
कॉल करें : 89340-89340
लखनऊ का सर्वप्रथम लेसिक केन्द्र
मानसरोवर नेत्र चिकित्सालय
विधान सभा मार्ग, आकाशवाणी के सामने, लखनऊ

हेयर ट्रान्सप्लान्ट
स्थाई बाल, आजीवन रहेंगे, प्राकृतिक रूप से बढ़ेंगे
PIONEER IN U.P.
BEFORE AFTER
DIVA CLINIC
गोमती नगर, लखनऊ
9454324669 9838552428 www.divahairlko.com

धवन - नाक, कान एवं गला रोग केन्द्र
डॉ. रुचिर धवन
एम.एस. (ई.एन.टी.)
B.H.U. (Gold Medalist)
विशेषज्ञ:
कान का बहना एवं बहरापन
नाक की हड्डी टेढ़ा होना व टूटना,
नाक का मॉस, चक्कर आना,
सिर दर्द, नाक, कान एवं गले का कैंसर आदि

सुयोग गैस्ट्रो लीवर होम्योपैथी
डा0 शैलेन्द्र कुमार सिंह
(BHMS,MD)
(पेट एवं लीवर रोग विशेषज्ञ)
पूर्ण इलाज
परामर्श हेतु सम्पर्क करें- ए-1/10, राजीमार्ग चौराहा, इन्दिरा नगर, लखनऊ
0522-4106661, 8400065000, 9651310862

THE ANO-RECTAL CLINIC & RESEARCH CENTRE
DR. SANJAY KUMAR YADAV
M.S. (ANO-RECTAL SURGEON)
बवासीर (Piles) का बिना आपरेशन HAL विधि द्वारा इलाज भगन्दर (Fistula)
AASTHA HOSPITAL
B-52, PARK, MAHANAGAR, LUCKNOW.
PH: 8005423919, 9259155587

मेडिकल डायरेक्टरी में बुकिंग हेतु
सम्पर्क करें: 9452243866
0522-6663228

Printed and distributed by PressReader
PressReader.com +1 604 278 4604
COPYRIGHT AND PROTECTED BY APPLICABLE LAW